पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

खण्ड–XXX अंक–13 15 जुलाई, 2025

दुख सुख पाप पुन्य दिन राती, साधु असाधु सुजाति कुजाती।
दानव देव ऊँच अरु नीचू, अमिअ सुजीवनु माहुरु मीचू।
माया ब्रह्म जीव जगदीसा, लच्छि अलच्छि रंक अवनीसा।
कासी मग सुरसरि क्रमनासा, मरु मारव महिदेव गवासा।
सरग नरक अनुराग बिरागा, निगमागम गुन दोश बिभागा।

दुःख-सुख, पाप-पुण्य, दिन-रात, साधु-असाधु, सुजाति-कुजाति, दानव-देवता, ऊँच-नीच, अमृत-विष, सुजीवन (सुन्दर जीवन)-मृत्यु, माया-ब्रह्म, जीव-ईश्वर, सम्पत्ति-दरिद्रता, रंक-राजा, काशी-मगध, गंगा-कर्मनाशा, मारवाड़-मालवा, ब्राह्मण-कसाई, स्वर्ग-नरक, अनुराग-वैराग्य (ये सभी पदार्थ ब्रह्मा की सृष्टि में हैं) वेद-शास्त्रों ने उनके गुण-दोषों का विभाग कर दिया है।

–श्रीरामचरितमानस 3–5

स्वागत

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/418972 दिनांक 01.07.2025 के अनुसार **प्रो. आदि ए.** ने 24.06.2025 से संस्थान के ऑप्टिक्स एवं फोटोनिक्स केन्द्र में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-13A1 में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड (I) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।
- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/419002 दिनांक 01.07.2025 के अनुसार **प्रो. सव्यासाची** ने 01.07.2025 से संस्थान के मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।
- स्थापना अनुभाग–2 से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt.-II/2025/422338 दिनांक 10.07.2025 के अनुसार **श्री सैम खान** ने 25.06.2025 से संस्थान के सिविल इंजीनियरी विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–05 में तकनीकी सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

''भविष्य के लिए तैयार ऊर्जा शिक्षाः अवसर और चुनौतियाँ'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा 'ऊर्जा संगम' वेबसाइट का शुभारंभ

आई.आई.टी. दिल्ली में ''भविष्य के लिए तैयार ऊर्जा शिक्षाः अवसर और चुनौतियाँ'' विषय पर 9 जुलाई, 2025 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कार्यशाला में समापन भाषण दिया, एनआईआरएफ रैंकिंग वाले शीर्ष 100 संस्थानों एवं ऊर्जा पर केंद्रित अन्य संस्थानों को भी कार्यशाला में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय (MoE) ने भविष्य में देश के लिए महत्वपूर्ण कई उभरते क्षेत्रों की पहचान की है, ऊर्जा उन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है। आने वाले समय में इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर में उल्लेखनीय संभावनाएँ होने का अनुमान है।

मंत्रालय ने ऊर्जा क्षेत्र पर एक राष्ट्रीय टास्क फोर्स का गठन किया है, आई. आई.टी. दिल्ली इसका नोडल संस्थान है, क्योंकि आने वाले वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में जनशक्ति के ज्ञान और कौशल में सुधार को प्राथमिकता देना आवश्यक समझा गया है।

टास्क फोर्स ऊर्जा क्षेत्र की वर्तमान जरूरतों और 'ऊर्जा परिवर्तन' के लिए शिक्षा का एक व्यापक ढाँचा विकसित

करने पर काम कर रही है, क्योंकि दुनिया और भारत जीवाश्म ईंधन पर कम निर्भरता और नवीकरणीय ऊर्जा पर अधिक ध्यान केंद्रित करने में बदलाव कर रहे हैं। इस टास्क फोर्स का कार्य वर्तमान शैक्षिक कार्यक्रमों में कमियों की पहचान करना, ऊर्जा क्षेत्र में भविष्य की कौशल आवश्यकताओं का आंकलन करना और विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए दिशानिर्देश तैयार करना है, जिसमें अपस्किलिंग और रिस्किलिंग शामिल है।

इन प्रयासों पर अधिक जानकारी देने तथा अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों के दृष्टिकोण को समझने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

माननीय शिक्षा मंत्री ने कार्यशाला के समापन सत्र के दौरान ''ऊर्जा संगम'' (https://oorjasangam.iitd.ac.in/) नामक एक वेबसाइट का शुभारंभ किया। यह वेबसाइट देश में ऊर्जा, जलवायु और स्थिरता पर शोध और शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए एक ''एकल–स्टॉप'' पोर्टल के रूप में कार्य करेगी।

कार्यशाला में समापन भाषण देते हुए, मुख्य अतिथि, माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है, जहाँ प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत केवल एक–तिहाई है। उन्होंने कहा कि देश 2070 तक नेट–जीरो ऊर्जा प्रतिबद्धता प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है और साथ ही समाज की आकांक्षाओं और ऊर्जा आवश्यकताओं को भी पूरा कर रहा है, इसलिए एक ऐसी स्मार्ट नीति बनाई जानी चाहिए जो शैक्षणिक ज्ञान को सामाजिक भलाई के साथ जोड़े।

श्री प्रधान ने यह भी कहा कि उन्हें विश्वास है कि यह पहल ऊर्जा शिक्षा को समग्र शैक्षिक पाठ्यक्रम में एकीकृत करने की एक लंबी यात्रा का आधार बनेगी। उन्होंने आई.आई.टी. दिल्ली से स्कूली विद्यार्थियों के लिए भी एक सार्थक ऊर्जा शिक्षा पाठ्यक्रम तैयार करने में योगदान देने का आह्वान किया। श्री प्रधान ने ऊर्जा शिक्षा में एक भावी मार्ग प्रशस्त करने के लिए इस कार्यशाला के आयोजन पर आई.आई.टी. दिल्ली की सराहना भी की।

आई.आई.टी. दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने कहा, ''ऊर्जा परिवर्तन के तैयार भावी पाठ्यक्रम की पहचान करने में मदद के लिए शिक्षा मंत्रालय द्वारा एक राष्ट्रीय टास्क फोर्स का गठन किया गया था। हमें पाठ्यक्रम विकास, उद्योग जुड़ाव और ए. आई. के एकीकरण के लिए एक नीति विकसित करने हेतु अग्रणी उच्च शिक्षा संस्थानों (शीर्ष 100 एनआईआरएफ–रैंक) के साथ विचार–विमर्श करने में खुशी हुई कि किस तरह स्नातकों को भविष्य के लिए तैयार किया जा सके और भारत को एक स्थायी नेट–जीरो भविष्य में बदलने में सक्षम बनाया जा सके।''

इस कार्यशाला को ऊर्जा शिक्षा के तेजी से विकसित होते परिदृश्य का अन्वेषण करने और महत्वपूर्ण सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक उभरते हुए मंच के रूप में डिजाइन किया गया था। इसमें विशेषज्ञ वार्ताएँ और उद्योग पैनल चर्चाएँ शामिल थीं, जिनमें शिक्षा जगत और उद्योग जगत से ऊर्जा शिक्षा पर स्थानीय और वैश्विक, दोनों दृष्टिकोण प्रस्तुत किए गए।

प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धति, प्रयोगशाला आवश्यकताओं, उद्योग सहयोग और ए.आई. एवं ऊर्जा परिवर्तन के उभरते क्षेत्रों की भूमिका जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने और सुझाव देने के लिए छह ब्रेकआउट सत्रों में भी भाग लिया।

आई.आई.टी. दिल्ली के ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग में प्रोफेसर और ऊर्जा टास्क फोर्स की समन्वयक डॉ. आशु वर्मा ने कहा, ''कार्यशाला का लक्ष्य अगली पीढ़ी को सहयोगात्मक रूप से आकार देना था ताकि हम एक स्थायी ऊर्जा भविष्य की ओर अग्रसर हो सकें।''

कार्यशाला में भाग लेने वाले संस्थानों में आई.आई.टी., एन.आई.टी., केंद्रीय विश्वविद्यालय और निजी इंजीनियरी संस्थान शामिल थे।

आरोग्यम् परमम् भाग्यम्

पाचन रोग के इलाज में मददगार बनेगा गाय के दूध में मौजूद लैक्टोफेरिन

''बीएचयू के डॉक्टरों ने आंतों की गंभीर बीमारी आईबीडी के उपचार का नया तरीका खोजा''

पेट संबंधी परेशानी कई गंभीर बीमारियों की जड़ हो सकती है और इसका प्रभाव पूरे शरीर पर देखा जा सकता है। इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज यानी आईबीडी पाचन संबंधी ऐसी ही एक बीमारी है। यह बीमारी मनुष्य की आंत को प्रभावित करती है। इससे पाचन तंत्र में दीर्घकालिक सूजन की समस्या हो सकती है। इसके उपचार के लिए देश में पहली बार बीएचयू के इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में गैस्ट्रोइंटरोलाजी विभाग ने गाय के दूध में मौजूद लैक्टोफेरिन का उपयोग किया है। दो माह से रोगियों पर इसका परीक्षण चल रहा है, जिसके शुरूआती परिणाम भी काफी उत्साहवर्धक हैं।

प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने, संक्रमण के विरुद्ध मिल रही मददः-

गैस्ट्रोइंटरोलाजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. देवेश प्रकाश यादव ने बताया कि अभी तक यहां 1500 से अधिक रोगियों का पंजीकरण किया जा चुका है। इनमें 30 रोगियों को लैक्टोफेरिन के परीक्षण के लिए चिन्हित है। 12 रोगियों को बीमारी से जुड़ी दवा के साथ ही कैप्सूल के रूप में लैक्टोफेरिन दी जा रही है। शोध में शामिल रोगियों को लगातार तीन माह तक खानी है। अभी तक रोगियों की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और संक्रमण से लड़ने में मदद मिल रही है। शोध में शामिल डाक्टर इन रोगियों की

सतत निगरानी कर रहे हैं। गाय के दूध में लैक्टोफेरिन की मात्रा करीब 0.2 मिलीग्राम प्रति लीटर होती है। रोगियों पर अध्ययन के लिए विभागीय बजट से गाय के दूध का लैक्टोफेरिन अमेरिका से तैयार करवा कर मंगवाया गया है।

कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वालो को अधिक खतराः कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यूनिटी) वाले लोगों को आईबीडी की समस्या होने का खतरा अधिक होता है। प्रतिरक्षा प्रणाली आमतौर पर शरीर को उन रोगाणुओं से बचाने में मददगार होती है, जो बीमारियों और संक्रमण का कारण बनते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, महिलाओं की तुलना में पुरुषों को इस बीमारी का खतरा अधिक होता है। आईबीडी से पीड़ित मरीज की आंतों में सूजन हो जाती है और पाचन तंत्र संबंधी गंभीर दिक्कतें हो जाती हैं। मरीज को लंबे समय तक दवाएं खानी होती हैं। इसमें थकान, दस्त, पेट में दर्द और ऐंठन, खून या म्यूकस के साथ दस्त आना, भूख में कमी और आतों में छाले पड़ जाते हैं। मरीजों में अल्सर के साथ ही एनीमिया, विटामिन बी 12, विटामिन डी और कैल्शियम की कमी हो जाती है, क्योंकि आतें इन्हें ठीक से अवशोषित नहीं कर पातीं। लंबे समय तक अल्सरेटिव कोलाइटिस रहने पर कोलन कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

बीमारी को बढ़ने से रोकने में होगा सहायकः आईएमएस बीएचयू में गैस्ट्रोइंट्रोलाजी विभाग के डा. विनोद कुमार कहते है कि आंतों की सूजन आईबीडी का प्रमुख कारण बनती हैं। दवाएं बीमारी के लक्षणों को नियंत्रित करने व बीमारी की प्रगति रोकने में सहायक होती हैं। दवाएं ठीक से काम करें, इसके लिए शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में सुधार आवश्यक है। लैक्टोफेरिन के उपयोग करने के प्राथमिक परिणाम वास्तव में काफी उत्साहजनक हैं, इससे रोगियों में बेहतर लाभ मिलने की उम्मीद है। बता दें कि वर्ष 2021 में बीएचयू में प्रत्येक गुरुवार को देश का चौथा आईबीडी क्लीनिक संचालित किया जा रहा है। यहां विशेषतौर पर आईबीडी से ग्रसित रोगियों का उपयोग किया जाता है।

साभार–दैनिक जागरण
दिनांक 07.04.2025

त्यागपत्र स्वीकृत

स्थापना अनुभाग–2 से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt.-II/2025/421690 दिनांक 08.07.2025 के अनुसार **श्री ऋषभ मित्तल,** लेखा एवं लेखा परीक्षा सहायक ने अपने पद से त्यागपत्र का अनुरोध किया था जिसे सक्षम प्राधिकारी ने 08.07. 2025 से स्वीकार कर लिया है। अतः श्री ऋषभ मित्तल को 08.07.2025 से संस्थान कार्य से मुक्त कर दिया गया हैं।

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत अनिवार्य रुप से द्विभाषी जारी किए जाने वाले कागजात

1 सामान्य आदेश / General Orders
2 संकल्प / Resolution
3 परिपत्र / Circulars
4 नियम / Rules
5 प्रशासनिक या अन्य प्रतिवेदन / Administrative or other reports
6 प्रेस विज्ञप्तियाँ / Press Release / Communiques
7 संविदाएँ / Contracts
8 करार / Agreements
9 अनुज्ञप्तियाँ / Licences
10 निविदा प्रारुप / Tender Forms
11 अनुज्ञा पत्र / Permits
12 निविदा सूचनाएँ / Tender Notices
13 अधिसूचनाएँ / Notifications
14 संसद के समक्ष रखे जाने वाले / प्रतिवेदन तथा कागज पत्र / Reports and documents to be laid before the Parliament

राजभाषा हिन्दी के अनुसार राज्यों का वर्गीकरण

क्षेत्र क– बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड़, उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र।

क्षेत्र ख– गुजरात, महाराष्ट्र और पंजाब राज्य तथा चंडीगढ़, दमन और दीव तथा दादरा और नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्र।

क्षेत्र ग– खंड (1) और (2) में निर्दिष्ट राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से भिन्न राज्य तथा संघ राज्य क्षेत्र।

राजभाषा नियम 1976 नियम 5

राजभाषा नियम 1976 के नियम 5 के अनुसार हिंदी में प्राप्त पत्रों के उत्तर आवश्यक रूप से हिंदी में दिया जाना अनिवार्य है। अतः सभी विभाग / केन्द्र / अनुभाग / प्रकोष्ठ / एकक आदि के अध्यक्षों से अनुरोध है कि हिंदी में प्राप्त सभी पत्रों का उत्तर केवल हिंदी में दें और उनका रिकॉर्ड रखें।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY DELHI

प्रशासनिक अधिकारियों के दैनिक सरकारी कामकाज में सामान्य व्यवहार में प्रयुक्त होने वाली संक्षिप्त आदेशात्मक टिप्पणियाँ

(Brief important notings being used by Administrative Officers in their daily routine official work)

अंग्रेजी	हिन्दी
Action may be taken as proposed.	यथाप्रस्तावित कार्रवाई की जाए।
All concerned should note carefully.	सभी संबंधित व्यक्ति इसे ध्यान से नोट कर लें।
Application is rejected.	प्रार्थना–पत्र अस्वीकृत किया जाता है।
Approved.	अनुमोदित।
Approved as a very special case. This should not, however be Quoted as a precedent.	एक विशेष मामला मानते हुए अनुमोदित किया जाता है, किन्तु आगे उदाहरण के रूप में इसका उल्लेख न किया जाए।
Wait further report.	आगे और विवरण की प्रतीक्षा कीजिए।
Await reply.	उत्तर की प्रतीक्षा करें।
Do the needful.	आवश्यक कार्रवाई करें।
Draft is concurred in.	प्रारूप पर सहमति दी जा रही है।
Draft may not be issued.	अब प्रारूप जारी करने की आवश्यकता नहीं है।
Draft reply on the lines suggested above may be Put up.	उपरोक्त सुझावों के आधार पर उत्तर का मसौदा तैयार कीजिए।
Enquire into the case and report early	मामले की जांच करें और शीघ्र रिपोर्ट दें।
Enquiry be completed and its report submitted at an Early date	जांच पूरी की जाए और रिपोर्ट जल्दी प्रस्तुत की जाए।
Explanation may be called for.	स्पष्टीकरण मांगा जाए।
Fix a date for meeting.	बैठक के लिए तारीख नियत करें।
Give top priority to this work.	इस कार्य को परम अग्रता दें।
I agree.	मैं सहमत हूं।

अंग्रेजी	हिन्दी
I agree with 'A' above.	मैं उपर्युक्त 'क' से सहमत हूं।
I disagree.	मैं सहमत नहीं हूं।
I fully agree with office note	मैं कार्यालय की टिप्पणी से पूर्णतया सहमत हूं।
Inform accordingly.	तदनुसार सूचित किया जाए।
Issue as amended.	यथासंशोधित जारी किया जाए।
Issue reminder urgently.	तुरन्त अनुस्मारक भेजिए।
Issue today.	आज ही भेज दिया जाए।
Issue warning.	चेतावनी दी जाए।
Kindly see it for approval.	कृपया इसे अनुमोदन के लिए देखें।
May file.	फाईल कर दिया जाए।
No assurance in the matter can be given at this stage.	इस मामले में इस समय कोई आश्वासन नहीं दिया जा सकता है।
Order may be issued.	आदेश जारी कर दिया जाए।
Office may note it carefully.	कार्यालय इसे सावधानी से नोट कर लें।
Permitted.	अनुमति दी जाती है।
Please circulate and file.	कृपया सभी को दिखाकर फाइल कर दें।
Please discuss.	आकर चर्चा कर लें।
Please fleg the relevent papers.	कृपया संगत कागजातों पर पर्चियाँ लगा दें।
Please issue necessary notification.	कृपया आवश्यक अधिसूचना जारी करें।
Please make a special note of this Decision.	कृपया इस निर्णय को विशेष रूप से नोट करे।
Please prepare a precis of the case.	कृपया मामले की संक्षेपिका तैयार करें।

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाषः EPABX 7144

मुद्रकः सागर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ई–मेलः sagarprinters@gmail.com